राज्यों के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में

माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया का सम्बोधन

दिनांक 1 नवंबर 2023, बुधवार	**समय : 4.00 PM**	**स्थान : श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र**

- असम की प्रथम महिला श्रीमती अनिता कटारिया जी,
- असम सरकार के माननीय मंत्री श्री केशव महंत जी,
- श्री जयंत मल्ल बरुवा जी,
- श्रीमती नंदिता गार्लोसा जी,
- श्री परिमल शुक्लबैद्य जी,
- श्री संजय किशन जी,
- अलग-अलग राज्यों का प्रतिनिधित्व कर रहे सम्मानित प्रतिनिधियों एवं कलाकारों,
- उपस्थित अधिकारीगण
- मीडिया के हमारे मित्रों,
- उपस्थित देवियों और सज्जनों,

आप सभी को मेरा नमस्कार,

आज 1 नवंबर है। आज की तारीख का भारत के इतिहास में बहुत महत्व है। आज ही के दिन, वर्षों पहले देश के विभिन्न राज्यों का भाषा के आधार पर पुनर्गठन का निर्णय किया गया था। इसके फलस्वरूप, 1 नवंबर के दिन, साल 1956 से लेकर साल 2000 तक भारत के आठ अलग-अलग राज्यों का जन्म हुआ। इसमें छत्तीसगढ़, पंजाब, हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, केरल, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश शामिल हैं।

इन राज्यों के अलावा देश की राजधानी दिल्ली सहित चंडीगढ़, पुडुचेरी, लक्षद्वीप तथा अण्डमान व निकोबार को भी आज ही के दिन केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा दिया गया था। इसलिए आज का दिन, भारत के इतिहास का एक अविस्मरणीय दिन है।

आज मैं इन आठों राज्यों और पांचों केंद्र शासित प्रदेशों के स्थापना दिवस के सुअवसर पर, इन प्रदेशों के सभी नागरिकों सहित यहाँ उपस्थित आप सभी महानुभावों को हार्दिक अभिनंदन और ढेर सारी बधाइयाँ देता हूँ।

ऐसे तो देश के सभी राज्यों का समृद्ध सांस्कृतिक विरासत एवं गौरवशाली इतिहास रहा है, जिस पर प्रत्येक देशवासी को गर्व है। देश के छोटे-बड़े हर राज्य की अपनी एक अलग पहचान है। राष्ट्र के आर्थिक और सांस्कृतिक विकास में सभी राज्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

देश के विभिन्न राज्यों के लोगों ने असम में सामाजिक एकीकरण और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था में उनका उल्लेखनीय योगदान असम के भविष्य को एक नया आकार दे रहा है।

मित्रों,

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की पहल पर केन्द्र सरकार के "एक भारत श्रेष्ठ भारत" कार्यक्रम के तहत विविधता में एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए सभी राज्य एक-दूसरे राज्यों का स्थापना दिवस मना रहे हैं।

इसी कड़ी में आज हम **छतीसगढ़, पंजाब, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, पुडुचेरी** और **चंडीगढ़** का स्थापना दिवस मना रहे हैं। कल 31 अक्टूबर को भी हमने आंध्र प्रदेश, हरियाणा, केरल, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, लक्षद्वीप और अंडमान व निकोबार द्वीप समूह का स्थापना दिवस मनाया।

इससे पहले भी हमने राजभवन परिसर में 1 मई को गुजरात और महाराष्ट्र, 16 मई को सिक्किम, 30 मई को गोवा, 2 जून को तेलंगाना और 20 जून को पश्चिम बंगाल का स्थापना दिवस मनाया। इन अवसरों पर संबंधित राज्य के विशिष्ट व्यक्तियों को सम्मानित कर मैं स्वयं को सौभाग्यशाली और गौरवान्वित महसूस करता हूँ।

देवियों और सज्जनों,

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल की 140वीं जयंती पर दिनांक 31 अक्तूबर 2015 को "एक भारत श्रेष्ठ भारत' की महत्वकांक्षी योजना प्रारंभ की। इस योजना के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता का उत्सव मनाकर राष्ट्रीय एकता की भावना, आपसी समझ और सम्मान की भावना को बढ़ावा दिया जा रहा है।

यह कार्यक्रम कला, संगीत, नृत्य, भोजन, खेल आदि जैसी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को एक-दूसरे के साथ जोड़ने का काम कर रहा है, उनके बीच सांस्कृतिक और भाषाई आदान-प्रदान को बढ़ावा दे रहा है।

आज का यह अवसर हमें सरदार वल्लभ भाई पटेल के महत्वपूर्ण योगदान को याद दिलाता है, जिनके अथक प्रयासों से 562 रियासतों का एकीकरण हुआ और भारत एक मजबूत राष्ट्र बना। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू और कश्मीर से धारा 370 हटा कर जनभावनाओं का सम्मान किया। इससे भारत की एकता और मजबूत हुई।

"एक भारत श्रेष्ठ भारत" की भावना की मजबूती के लिए हर प्रदेश में "राज्य स्थापना दिवस मनाना, अपने आप में महत्वपूर्ण है। इस पहल के लिए, मैं केंद्र सरकार को हृदय से धन्यवाद देता हूँ। इस प्रकार के कार्यक्रम से सभी प्रदेशों और प्रदेशवासियों के बीच पारस्परिक सद्भाव और बंधुत्व की भावना और अधिक मजबूत होगी, मुझे आशा ही नहीं, बल्कि पूर्ण विश्वास है।

मित्रों,

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। भारत की संस्कृति अत्यंत प्राचीन और समृद्ध है। हम यह भी जानते हैं कि हमारे देश की सबसे बड़ी विशेषता है विविधता में एकता। इन विविधताओं के बावजूद, पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक, हम ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से एकता की डोर से बंधे हुए हैं। हमारा प्रदेश सांस्कृतिक रूप से एक है, यही हमारी ताकत है, यही हमारी पहचान है।

वर्तमान समय में भी हर साल, असम से हजारों श्रद्धालु बाबा महाकाल के दर्शन के लिए उज्जैन जाते हैं, स्वर्ण मंदिर के दर्शन के लिए अमृतसर जाते हैं, लक्ष्मणेश्वर महादेव मंदिर दर्शन के लिए छत्तीसगढ़ जाते हैं, चामुंडा देवी के दर्शन के लिए कांगडा जाते हैं।

दक्षिण भारत तो मंदिरों के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। तमिलनाडु के महाबलीपुरम, बृहदेश्वर, मीनाक्षीपुरम आदि अनेक मंदिर हैं। कर्नाटक का मुरुदेश्वर मंदिर एक प्राचीनतम मंदिरों में से एक है। पुडुचेरी का मनाकुला विनयनगर मंदिर भी मशहूर है। दक्षिण भारत सहित देश भर से हजारों की संख्या में श्रद्धालु भक्त गण कामाख्या मंदिर दर्शन के लिए गुवाहाटी आते हैं।

मैं कहूँ तो इससे भी हमारे सांस्कृतिक संबंधों को मजबूती मिलती है। इसके साथ ही सरकारी सेवा, रोजगार और पर्यटन आदि की दृष्टि से एक-दूसरे राज्यों के लोगों का आवाजाही रहती है। भले ही हर प्रदेश के लोगों की भाषा अलग हो, पहनावा अलग हो, खानपान अलग हो, रहन-सहन अलग हो, परंतु सभी के बीच एक आत्मिक संबंध है। सभी अपने राष्ट्र को सर्वोपरि मानते हैं, अपने आप को भारतीय होने का गर्व करते हैं।

मित्रों,

यह एक अच्छी पहल है। मेरा मानना है कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से एकता की भावना को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही यह राष्ट्र की संघीय ढांचे को भी मजबूती प्रदान करेगा। यह अभियान देश की विभिन्न संस्कृतियों और परम्पराओं को पहचानने और उजागर करने में भी मदद करेगा।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि आजादी के इस अमृत काल में यह कार्यक्रम निश्चित रूप से विकसित भारत की नींव को मजबूत ।

अंत में, आज आठों राज्यों और पांचों केंद्र शासित प्रदेशों के स्थापना दिवस के इस मौके पर मैं उन लोगों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ, जिन्होंने अपने राज्य के निर्माण हेतु अपना सर्वस्व न्योछावर किया।

अंत में, मैं सभी राज्यों के निरंतर विकास और प्रगति व इनके नागरिकों के कल्याण की कामना करते हुए अपनी वाणी को यहीं विराम देता हूँ।

आप सभी को पुनः बहुत-बहुत धन्यवाद ।

जय हिन्द !